भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 29.03.2019

अनाज से कंकड़-पत्थर को अलग करेगी हॉपर

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के स्कूल ऑफ बायो केमिकल इंजीनीयरिंग विभाग ने किसानों और कृषि इंडस्ट्री के लिए सस्ती और कारगर हॉपर, सेग्रीगेटर मशीन बनाई है। मशीन से कई तरह के अनाज के दानों को अलग किया जा सकता है। जबकि सेग्रीग्रेटर मशीन एक निश्चित अनुपात में अनाजों को मिलाने तथा औषधियों को आपस में अच्छी तरह मिक्स करने में सक्षम है। आईआईटी बीएचयू ने इस मशीन का पेटेंट कराया है। इनोवेटिव मशीनरी एग्रोइंडिया प्राइवेट ग्रेटर नोएडा की कंपनी से इस हॉपर के निर्माण का करार हो गया है।

स्कूल ऑफ बायो इंजीनीयरिंग विभाग के डॉ. विशाल मिश्रा के नेतृत्व में शोध छात्र-छात्राओं ने इस मशीन के निर्माण में सहयोग किया है। हॉपर एक सरल मशीन की प्रणाली पर आधारित है। पांच गियरों वाली इस मशीन की गति घटाई और बढ़ाई जा सकती है। यह गेहूं और सरसों के दानों के साथ जौ को भी आसानी से अलग-अलग कर सकती है। खास यह कि हॉपर अनाज से मिट्टी, कंकड व पत्थर के टुकड़ों को हटाकर अनाज को साफ करदेगी। डॉ. विशाल मिश्र ने बताया कि यह मशीन स्आठ हजार रुपये में किसानों को उपलब्ध होगी। स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनीयरिंग के अनुसंधानकर्ताओं की बनाई इन मशीनों का मेंटेनेंस भी दूसरे मशीनों की तुलना में बहुत कम है। अनाज से नमी हटाने, कई प्रकार के दालों को मिक्स करने तथा अनाजों के मिश्रण को अलग करने की सुविधा प्रदान करती है। डिजाइन तैयार करने में शोध छात्रा प्रियंका यादव, वीर सिंह, विपुल यादव, ज्योति सिंह, अशोक पाल, विशाल सिंह, मनीषा वर्मा, केश्री विजय नागर, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, अंजनी कुमार तथा अवंतिका गुप्ता ने सहयोग किया।

ईजाद

- आईआईटी बीएचयू के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल ने बनाई मशीन, कराया पेटेंट
- आईआईटी बीएचयू ने ऐग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से किया मशीन बनाने का करार

08 हजार रुपये है मशीन की कीमत, किसानों को होगी काफी सहूलियत

05 गियर वाली मशीन की स्पीड घटाई और बढ़ाई जा सकती है

आईआईटी बीएचयू के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल में हॉपर मशीन के साथ इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. विशाल मिश्र और उनकी टीम।